चतुर्थ अध्याय

D-128

अध्याय – 4

प्रदन्तों का विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या

प्रस्तुत अध्याय मे इस शोध कार्य के परिणाम प्रस्तुत किये गये है जो निम्नलिखित (तालिका मे) हे –

तालिका क्रमांक 3. डाइट प्रशिक्षणार्थियों की प्रपत्र एक में अधिकतम और निम्नतम दक्षता उपलब्धि प्राप्तांक (N = 100)

अवधारणाये / प्रश्न	गलत उत्तर देने वाले प्रशिक्षणार्थियो की सख्या	सही उत्तर देने वालें प्रशिक्षणार्थियो की सख्या
1 आप बच्चो में स्थानीय मान की समझ कैसे पैदा करेगे	1 छात्र ने उत्तर क्रमाक 1 का (केवल समूह बनाकर) दिया	51 छात्रा ने उत्तर क्रमाक 3 का (समूह बनान के बाद स्थान परिवर्तन करवाकर) दिया
2 आप बच्चा में गुणा से भाग की समझ कैस पैदा करेंगे	1 छात्र न उत्तर क्रमाक 4 का (गुणा का तथ्य लिखवाकर वस्तुआ का लकर) दिया	37 छात्रा न उत्तर क्रमाक 2 का (वस्तुआ का पक्तिया म रखवाकर वस्तुआ की सख्या और पक्तिया की सख्या द्वारा) दिया
3 ठोस वस्तुओ की सहायता से बच्चा में 3 और 5 के लघुत्तम समापवर्त्य की समझ पैदा करने के लिए	7 छात्रा न उ क्र 4 का (3 आर 5 ठोस वस्तुआ क समूह बनवाकर उनम स सबस छाटे समूह की सख्या गिनवाय) दिया	38 छात्रा न उ क्र 2 का (3 और 5 क गुणजा क अनुसार ठास वस्तुआ क समूह बनवाकर उनम स समान सख्या वाल समूह अलग लकर सबस छाट सम–समूह की सख्या गिनवाय) दिया
4 बच्चा में तुल्य भिन्न की समझ पैदा करने के लिए	1 छात्र न उ क्र 1 का (किसी भी माप की कागज की पट्टिया का किसी सख्या क गुणज के अनुसार समान भागा में बटवाकर तुलना करवाय) दिया	22 छात्रा न उ क्र 3 का (समान माप की कागज की कई पट्टियों का किसी सख्या क गुणज क अनुसार समान भागा म बटवाकर तुलना करवाय) दिया
5 दशमलव की गुणा के प्रश्नो मे गुणनफल में दशमलव का स्थान कहाँ होना चाहिए	14 छात्रा न उ क्र 3 (पहल दशमलव भिन्ना का साधारण भिन्ना मे बदलवाय फिर बच्चा मे दशमलव क स्थान स सबधित निष्कर्ष निकलवाय) दिया	17 छात्रा न उ क्र 4 का (पहल दशमलव भिन्ना का साधारण भिन्ना म बदलवाय फिर उन्ह गुणा करवाकर बिना दशमलव भिन्न म बदल ही बच्चा क स्थान स सबधित निष्कष निकलवाय) दिया
6 प्रतिशत की आवयश्कता क्यों इस समझाने के लिए उपयुक्त प्रश्न होगा	9 छात्रो ने उ क्र 2 (एक बच्च न जुलाइ मासकी परीक्षा म गणित म 25 म 15 तथा अगस्त म 20 म स 13 अक मिल किस परीक्षा म अच्छ अक मिल) का उत्त दिया	27 छात्रा न उ क्र0 4 का (1 बच्च क 50 म स 22 अक ह कितन प्रतिशत अक बच्चे का मिल) उद दिया
7 बच्चों म काण की समझ पैदा करने के लिए	1 छात्र न उ क्र 3 (उन्ह एसी आकृतियाँ बनाने क लिए कहग जा एक रखाखण्ड और किरण स बनती हा) का दिया	42 छात्रा न उ क्र 1 का (उन्ह एसी आकृतियाँ कॉपी पर बनान क लिय कहँग जा दा किरणा स मिलकर बनती हैं और उनका शुरू की बिन्दु एक ही हा)
8 1/3 x 2/3 क (गुणा) अर्थ की बच्चों म समझ पैदा करन के लिए	13 छात्रा न उ क्र 2 (कागज का तीन भागा में बॉटकर उनम स 1 x 2 = 2 भाग लन का कह) दिया	17 छात्रा न उ क्र 4 (कागज का एक तिहाइ भाग लन का कह और उसका दा–तिहाइ भाग लकर वह भाग लकर वह भाग पूर कागज का कौन–सा भाग ह ज्ञात करन का कहग) दिया
9 विभिन्न विषयो मे न्यूनतम अधिगम स्तर से कितना परिचित है	3 छात्रों न उ क्र 3 (बिल्कुल नही) दिया	28 छात्रा ने उ क्र 2 (कुछ–कुछ) दिया
10 निदानात्मक परीक्षण का उपयोग किया जाता है	छात्रा न उ क्र 3 (छात्रा की कठिनाइया का निराकरण करने क लिए) दिया	10 छात्रा न उ क्र 1 (छात्रा की याग्यताआ का पहचानन क लिए)दिया
11 क्या आपको निम्न के बारे में प्रशिक्षण की आवश्यकता है	3 छात्रा न उ क्र3 (परीक्षण पत्रा विधिया का विकास) दिया	10 छात्रा न उ क्र 1 (सतत एव व्यापक मूल्याकन का अर्थ एव महत्त्व) को दिया
12 क्रिया आधारित शिक्षण पद्धति क सदर्भ मे क्या आप निम्न मे प्रशिक्षण की आवश्यकता महसूस करत हें (हॉ/नही)	0 छात्रों ने उ क्र 3 (हॉ) पर टिक किसी न नही किया	19 छात्रा न उ क्र 1 (अर्थ एव महत्त्व) पर टिक किया
13 बहुकक्षा क सदर्भ म उपयुक्त हान वाली विशिष्ट शिक्षण विधिया स आप कहाँ तक परिचित है	0 छात्रा न उ क्र 3 (बिल्कुल नही) पर टिक किसी न नही किया	25 छात्रा न उ क्र 2 (कुछ–कुछ) पर टिक किया
14 कक्षा में शारीरिक या मानसिक रूप स कमजोर बच्चा को शिक्षण के लिए आवयश्क तकनीको से क्या आप परिचित हैं	0 छात्रो न उ क्र 3 (बिल्कुल नही) पर टिक किया	28 छात्रा न उ क्र 2(कुछ–कुछ) पर टिक किया
15 आप मेधावी छात्रो की विशिष्ट आवश्यकताओं स कहाँ तक परिचित हे ?	1 छात्र न उ क्र 3 (बिल्कुल नही) पर टिक किया	18 छात्रा न उ क्र (कुछ–कुछ) पर टिक किया
16 क्या आप महसूस करत हें कि अधिक सख्या वालीं कक्षाओं क लिए शिक्षण विधियों में आपको प्रशिक्षण की आवश्कता है	3 छात्रा न उ क्र 2 (विज्ञान) पर टिक किया	21 छात्रा न उ क्र 4 (अन्य विषय) पर टिक किया

Regional Institute of Ed

ग्राफ क्रमांक – 1

आवृत्ति बहुभुज ग्राफ

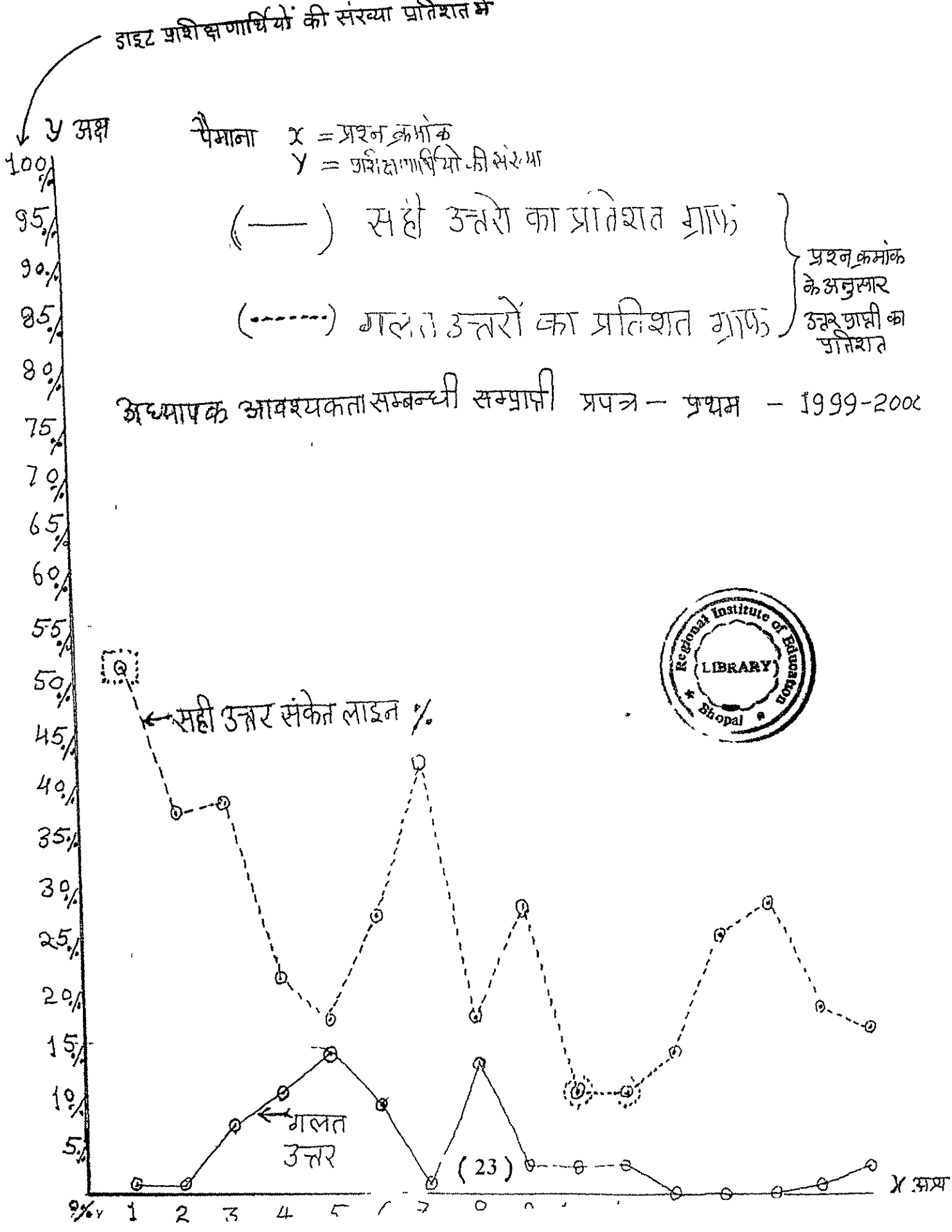

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

ग्राफ क्रमांक - 2

प्रपत्र - 1

प्रश्न क्रमांक के अनुसार उत्तर प्राप्ती का प्रतिशत

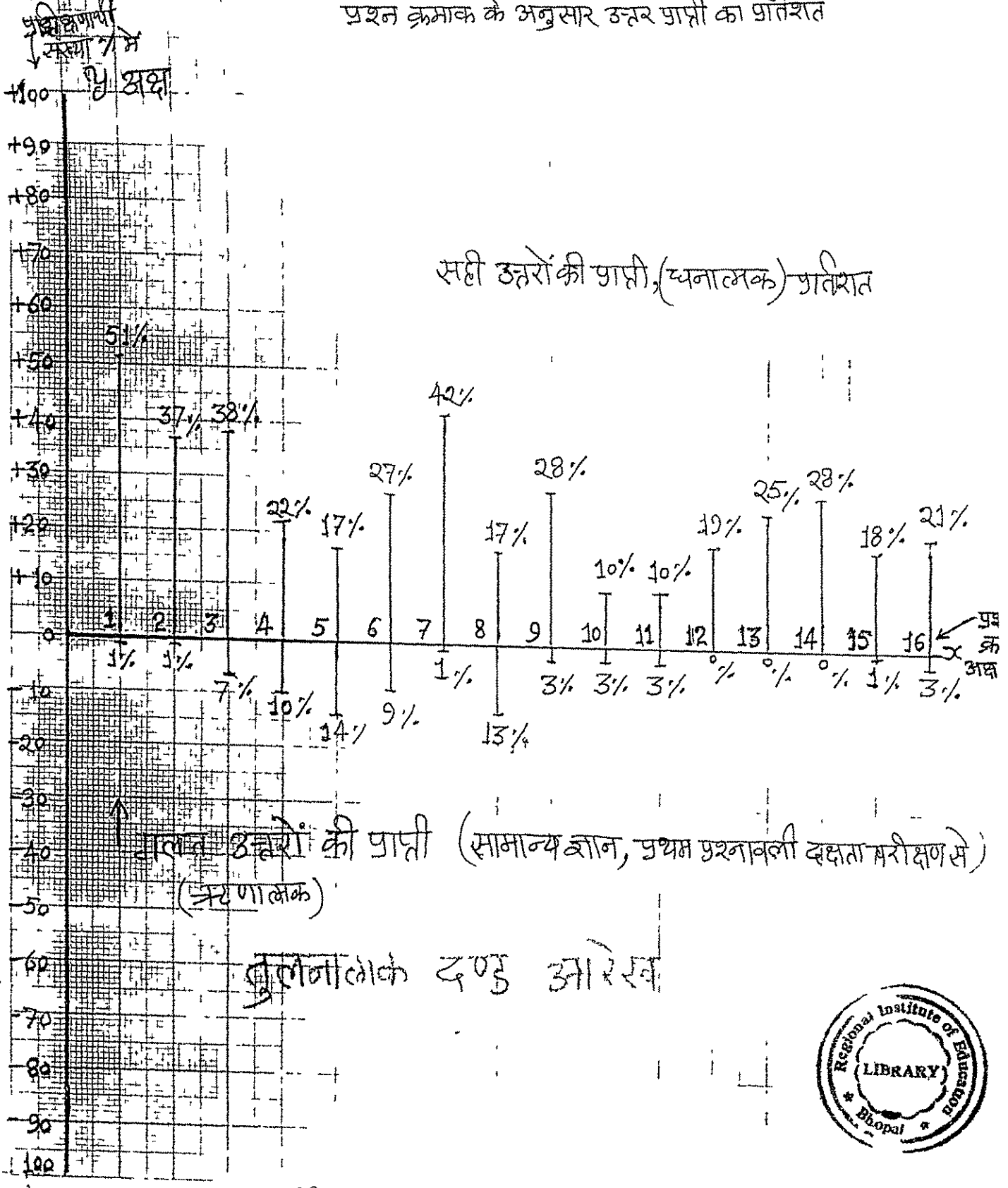

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

द्वारा परीक्षणार्थियों की, उत्तर प्राप्ती, प्रतिशत, प्रश्नक्रमवार (सही = +, और गलत = -.

तालिका क्रमांक – 4

अध्यापक आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्तिपत्र1 9 9 9–2 0 0 0 डाइट प्रशिक्षणार्थियों के प्रपत्र–दो, गणित में अधिकतम और निम्नतम दक्षता उपलब्धि प्राप्तांक (N = 100)

प्रश्न अवधारणाय	गलत उत्तर दन वाल प्रशिक्षणार्थी (प्रतिशत म)	सही उत्तर दन वाल प्रशिक्षणार्थी (प्रतिशत म)	50% स कम उत्तर दनवाल वाल	50% स अधिक उत्तर दनवाल प्रशिक्षणाथिया वाल प्रश्न	25% स कम उत्तर दन वाल प्रशिक्षणार्थी	75% स अधिक अधिक उत्तर दन वाल प्रशिक्षणार्थी	75% स कम दक्षता वाल प्रश्न हतु आवश्यकता
1 किसी सख्या स शून्य घटान पर अन्तर आता हे	20%	80%		✓		✓	
2 रिक्त स्थान भरिय	6%	94%		✓		✓	
3 जाड ज्ञात कीजिए	15%	85%		✓		✓	
4 रिक्त स्थान भरिय	10%	90%		✓		✓	
5 56 मी लम्बी रस्सी से चार–चार मी के कितने टुकड बनाये जा सकते हैं	10%	90%		✓		✓	
6 62 टॉफियॉ 9 छात्रों म बराबर बॉटी गई प्रत्यक का कितनी मिली और शष बची ?	14%	86%		✓		✓	
7 सबस बडी भिन्नात्मक सख्या पर गाला लगाकर लिखा	12%	88%		✓		✓	
8 खाली जगह म उचित सख्या या शब्द लिखिये	7%	93%		✓		✓	
9 3 4 5 समी की भुजाआ का क्षत्रफल लिखिय	42%	51%	✓				✓
10 1910 स 2000 तक के लिय वष लिखिय	68%	32%	✓				✓
11 समय का यागफल बताआ	10%	90%		✓		✓	
12 भार धारिता की मात्रा का रिक्त स्थान भरिय	2%	98%		✓		✓	
13 नीच लिखी प्रत्येक सख्या क सामन 8 का स्थानीय मान लिखा	8%	92%		✓		✓	
14 इकाई दहाई सैकडा आदि का अका म बताआ	34%	66%		✓			✓
15 8 और 12 का साव गुणनखण्ड ह	80%	20%	✓		✓		✓
16 राशिया का दशमलव म लिखिय	66%	34%	✓				✓
17 किग्रा को हैग्रा ग्राम म लिखिय	94%	6%	✓		✓		✓
18 बट का दशमलव म बदलिय	12%	88%		✓		✓	
19 दशमलव का याग कीजिय	48%	52%		✓			✓
20 गणित का न्यूनतम अधिगम स्तर लिखिये	98%	2%	✓		✓		✓

Regional Institute of Education (LIBRARY)

ग्राफ क्रमांक - 3

गणित

ग्राफ

(आवृत्ति बहुभुज)

पैमाना / संकेत

(----) सही उत्तरों का प्रतिशत

(—) गलत उत्तरों का प्रतिशत

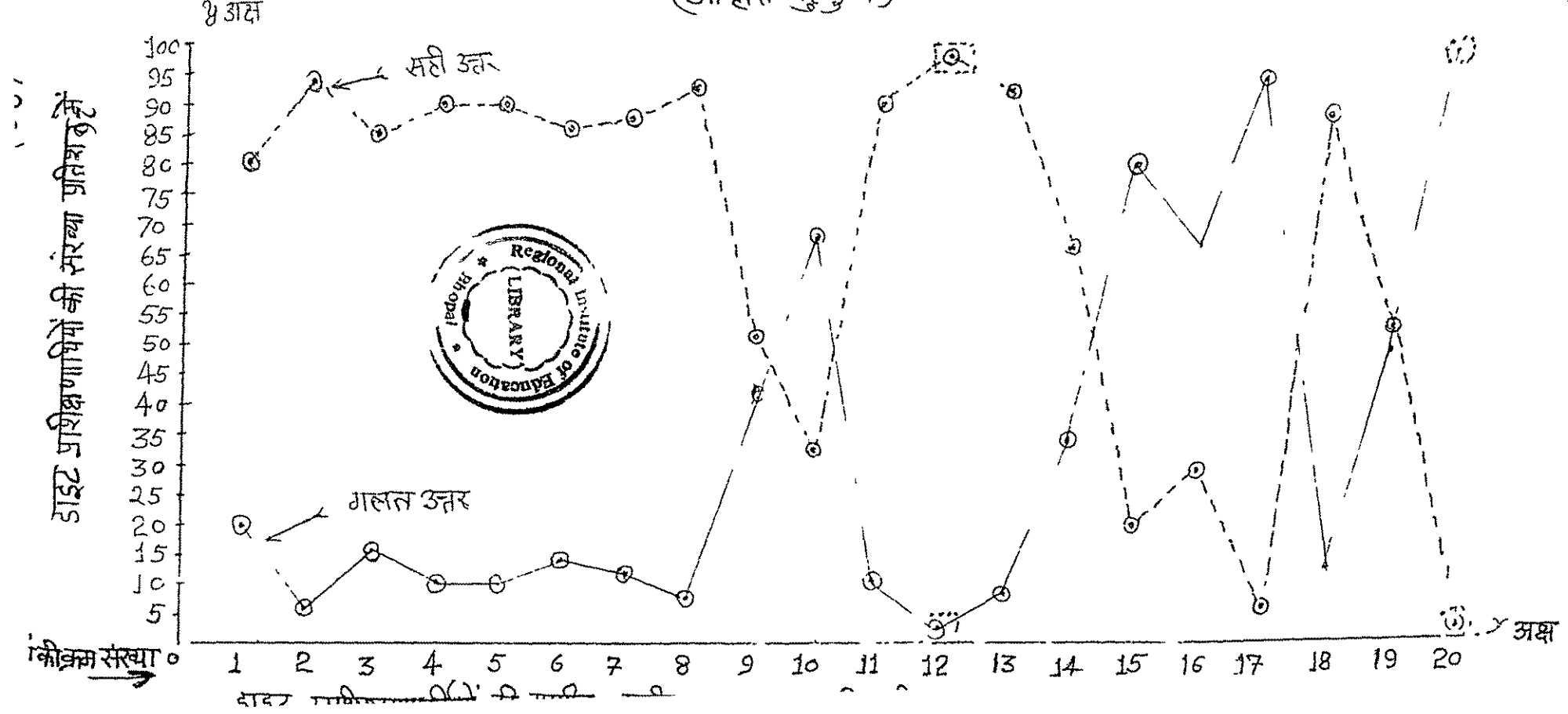

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

ग्राफ क्रमांक - 3

ग्राफ क्रमांक – 4

"गणित" के सही उत्तरों की प्रश्नक्रमवार प्राप्ती का प्रतिशत

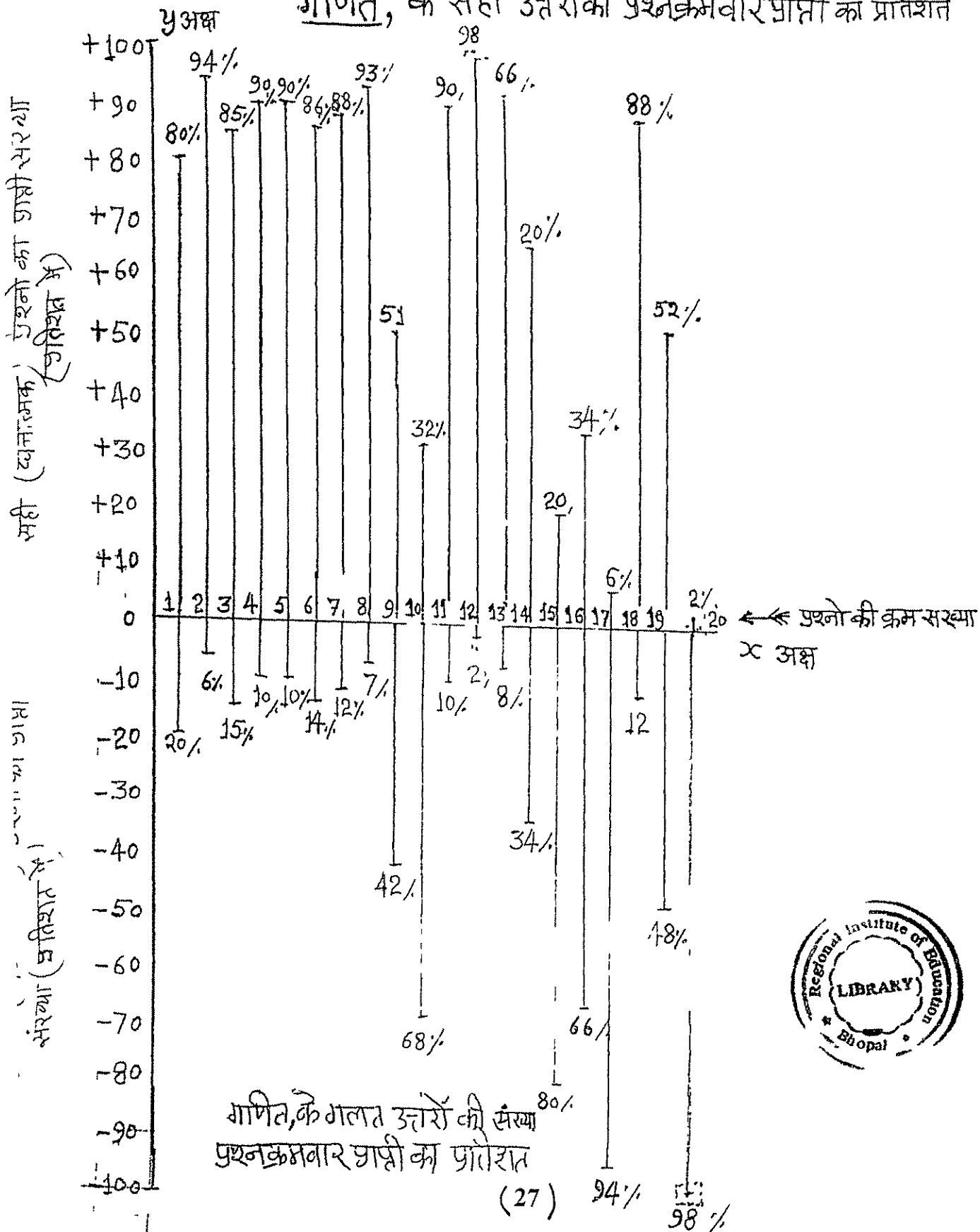

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

तालिका 3 से

सारिणी के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि प्रपत्र–एक के 16 प्रश्नो मे से किसी भी प्रशिक्षणार्थी ने 25% से अधिक प्रश्नो को हल नही किया । केवल एक प्रश्न स्थानीय मान की समझ, के अलावा सर्वाधिक प्रशिक्षणार्थियो ने एक ही विकल्प पर उत्तर दिये ।

48% प्रशिक्षणार्थियो ने प्रश्नो को खाली छोड दिया एव अन्य प्रश्नो को 71% तक बिना हल किये खाली ही छोड दिया गया ।

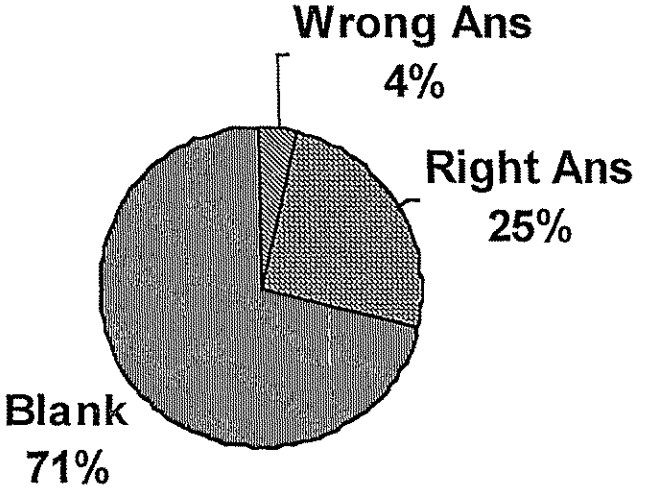

प्रपत्र–प्रथम (वृत्त आरेख) दक्षताऐ

तालिका 4 से

गणित की सारिणी से स्पष्ट होता है कि गणित विषय के 20 प्रश्नो मे से किसी भी प्रशिक्षणार्थी ने 66% से अधिक प्रश्नोत्तर नही दिये, भार मापन, न्यूनतम अधिगम स्तर जैसे प्रश्नो से 90% प्रशिक्षणार्थी अनभिज्ञ है । अन्य प्रश्न लीप वर्ष, गुणनखण्ड, जोड, दशमलव का ज्ञान का 50% प्रशिक्षणार्थियो को ज्ञान नही है अर्थात् 34% प्रशिक्षणार्थियो ने गलत उत्तर दिये है ।

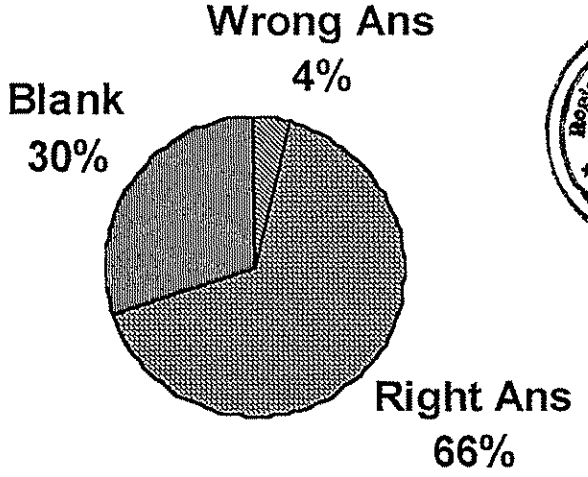

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

गणित प्रश्नोत्तर (वृत्त आरेख) दक्षताएँ

तालिका क्रमांक 5

अध्यापक आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र 1999-2000डाइट प्रशिक्षणार्थियों के प्रपत्र-तीन, हिन्दी में अधिकतम और निम्नतम दक्षता उपलब्धि प्राप्तांक (N = 100)

प्रश्न अवधारणाये	गलत या रिक्त उत्तर देने वाले प्रशिक्षणार्थियो की सख्या प्रतिशत मे	सही उत्तर देने वाले प्रशिक्षणार्थी की सख्या का प्रतिशत	75% से अधिक सही उत्तर देने वाले प्रशिक्षणार्थी % मे	50% से अधिक सही उत्तर देने वाले प्रशिक्षणार्थी	50% से अधिक दक्षता देने हेतु प्रशिक्षणार्थी
1 दोषरहित वाक्य है	90	10			✓
2 भिन्न प्रकृति शब्दो को रिक्त स्थानो मे पूर्ति करो	63	37			✓
3 अनुच्छेद (पैराग्राफ) को पढकर नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर लिखो	36	64		✓	
4 कविता पढते समय पूर्व जानकारी देना और लेना	71	29			✓
5 दिये गये शब्दो के समानार्थी शब्द लिखे	36	64		✓	
6 रिक्त स्थानो को कोष्ठक मे दिये गये शब्दो को सही रूपो मे भरे	47	52		✓	
7 शब्द युग्मो के अर्थ भेद लिखे	49	51		✓	
8 वाक्याश के लिए एक शब्द लिखे	17	83	✓	✓	

तालिका 5

हिन्दी सारिणी के अवलोकन से यह निष्कर्ष निकलता है कि हिन्दी विषय के कुल प्रश्न 8 मे से जिनके उप प्रश्नो की दक्षताऐ ज्ञात करनी थी, मे निम्न प्रश्न

1 दोष रहित वाक्य
2 भिन्न प्रकृति के शब्दो की रिक्त पूर्ति
3 पद्य पठन का ज्ञान

के साथ कुल 27% सही उत्तर प्राप्त हुए हे और 73% गलत उत्तर प्राप्त हुए है ।

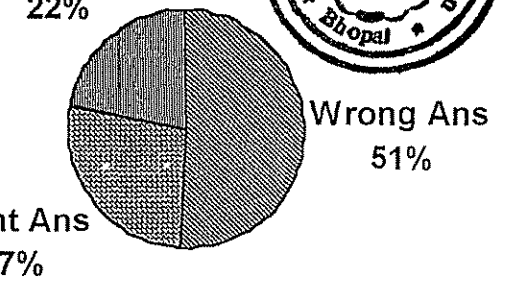

हिन्दी प्रश्नोत्तर (वृत्त आरेख) दक्षताऐ

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

ग्राफ क्रमांक- 5

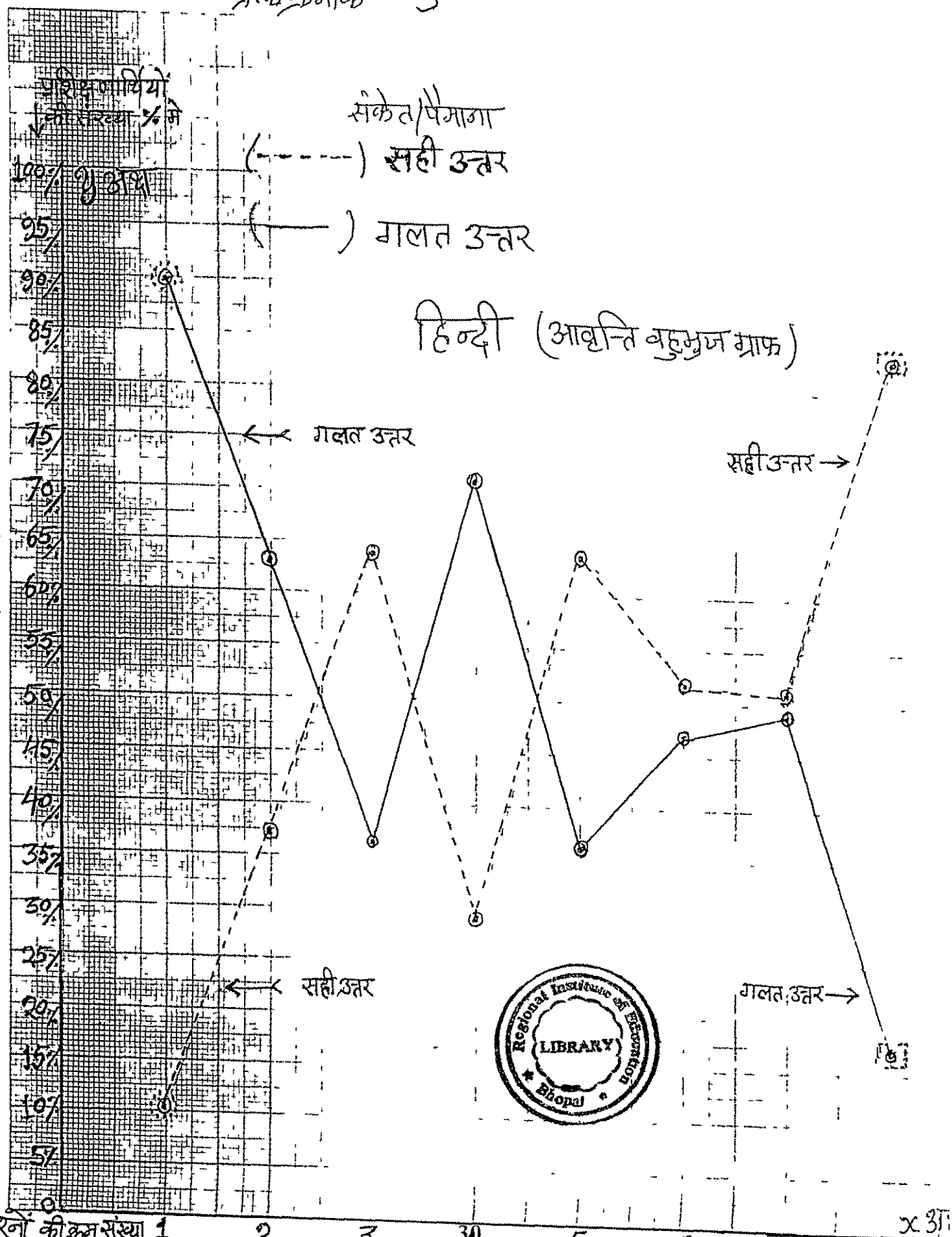

डाइट-प्रशिक्षणार्थियों की हिन्दी, विषय परीक्षण उत्तर प्राप्ती परीक्षा में

ग्राफ क्रमांक – 6

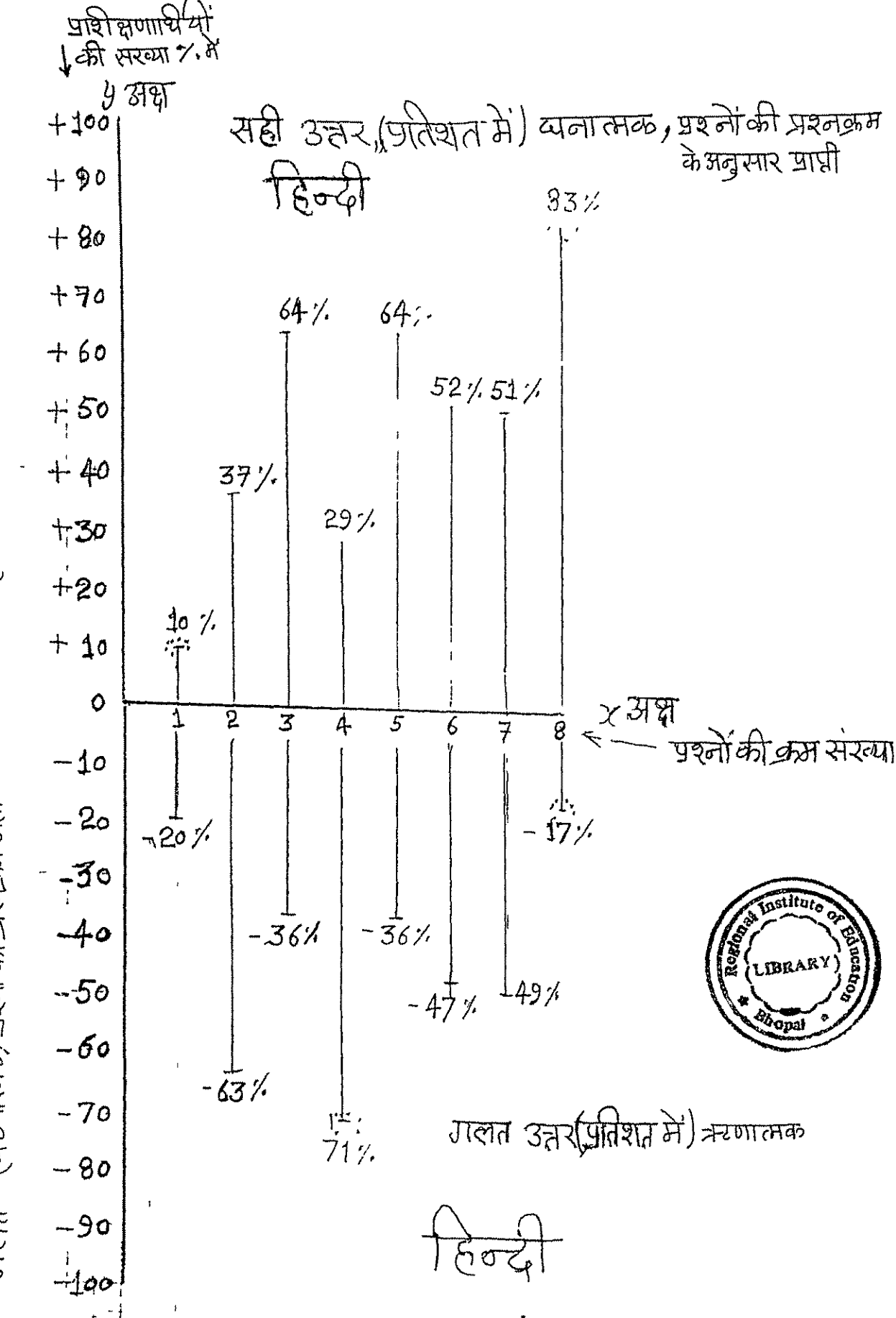

National Institute of Education LIBRARY Bhopal

तालिका क्रमांक 6

अध्यापक आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000 डाइट प्रशिक्षणार्थियों के, प्रपत्र–चार, सामाजिक विज्ञान में अधिकतम और निम्नतम दक्षता उपलब्धि प्राप्तांक (N = 100)

प्रश्न अवधारणाये (दो वाक्यो मे उत्तर लिखिए)	गलत या रिक्त उत्तर देने वाले प्रशिक्षणार्थियो का प्रतिशत	सही उत्तर देने वाले प्रशिक्षणार्थी का प्रतिशत	75% से अधिक सही उत्तर देने वाले प्रशिक्षणार्थी	50% से अधिक सही उत्तर देने वाले प्रशिक्षणार्थी
1 द्वीप और महाद्वीप मे क्या अन्तर है	52	38	✓	
2 अक्षाश और देशान्तर मे अन्तर लिखे	56	44	✓	
3 गर्मी मे मैदानी क्षेत्र मे राते गर्म तथा रेगिस्तान मे ठण्डी क्यो होती है	59	41	✓	
4 गगा की 5 सहायक नदियॉ लिखो	33	67		✓
5 सब जगह जलवायु एक जैसी क्यो नही होती है	66	36	✓	
6 मिट्टी के कटाव को कैसे रोका जा सकता है ?	85	15	✓	
7 राष्ट्रीय प्रतीक से क्या तात्पर्य है	71	29	✓	
8 मरुस्थल मे वनस्पति, कटीली मोटे पत्ते वाली क्यो होती हे	74	26	✓	
9 चाय के बागान पहाडी ढलानो पर क्यो होते है ?	61	39	✓	
10 खनिज पदार्थ किसे कहते है	87	13	✓	
11 राष्ट्रीय ध्वजारोहण समय किन बातो का ध्यान रखना चाहिये	76	24	✓	
12 जोडे बनाओ (चारो मे से)	72	28	✓	
13 ससद के अग बताओ	73	27	✓	
14 कार्यपालिका का प्रतिनिधित्व कौन करता है	43	57		✓

LIBRARY

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

ग्राफ क्रमांक – 8

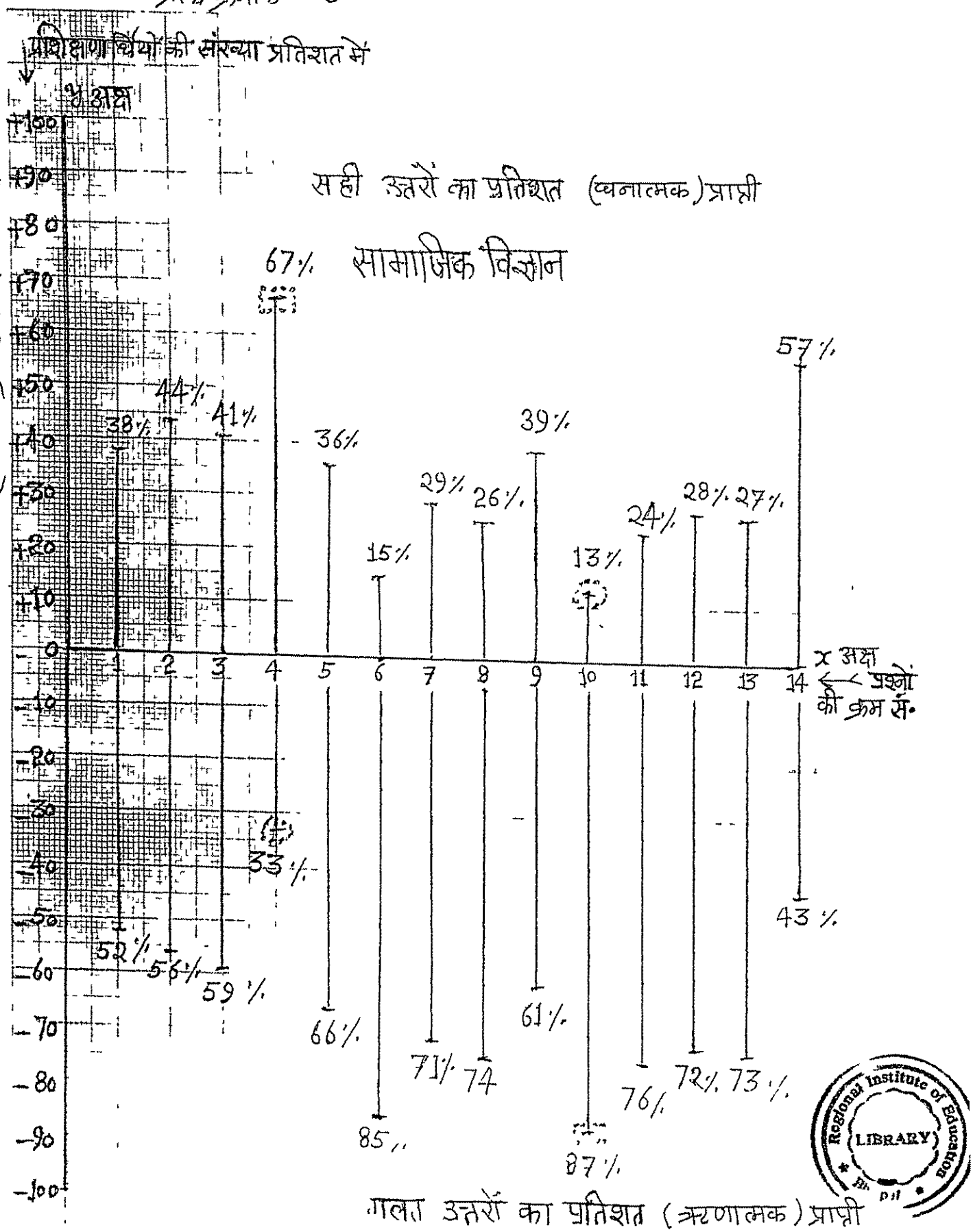

Regional Institute of Education LIBRARY

प्रश्नक्रमवार (सही +, गलत –,) में 34 डाइट प्रशिक्षणार्थियों की उत्तर प्राप्ती प्रतिशत में

तालिका क्रमांक – 7

अध्यापक आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000 डाइट प्रशिक्षणार्थियों के प्रपत्र–पॉच, विज्ञान में अधिकतम और निम्नतम दक्षता उपलब्धि प्राप्तांक (N = 100)

प्रश्न अवधारणाये (✓) चार विकल्पो मे से	निम्नतम गलत (या रिक्त) उत्तर देने वाले प्रशिक्षणार्थियो की सख्या का प्रतिशत	अधिकतम सही उत्तर देने वाले प्रशिक्षणार्थियो की सख्या का प्रतिशत	50% से अधिक सही प्रश्नो का प्रतिशत	50% से कम सही उत्तर देने के कारण दक्षता आवश्यकता के लिए प्रश्न
1 सूर्यग्रहण (कब) होता है	26	69	✓	
2 चन्द्रग्रहण (कब) पडता है	53	47		✓
3 हरी पत्तेदार सब्जियो मे अधिक मात्रा मे (कौन–सा) पदार्थ है	22	78	✓	
4 स्वस्थ्य मनुष्य का ताप (कितना) होता है	79	21		✓
5 चन्द्रमा क्या है	23	77	✓	
6 सुलगते हुए कोयले के धुए से निकलने वाली (कौन–सी) गैस है	10	90	✓	
7 पृथ्वी पर वायु की गति का (क्या) कारण है	29	71	✓	
8 बीजो का प्रकीर्णन का (क्या) अर्थ है	47	53	✓	
9 नमक के विलयन से नमक प्राप्त करने की (कौन–सी) विधि है	74	26		✓
10 पाचक रस (किस अग मे) बनता है	51	49		✓
11 रोगाणु (किसे) कहते है	45	55	✓	
12 श्वसन क्रिया मे (क्या प्रक्रिया होती) है	11	89	✓	

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

ग्राफ क्रमांक – 9

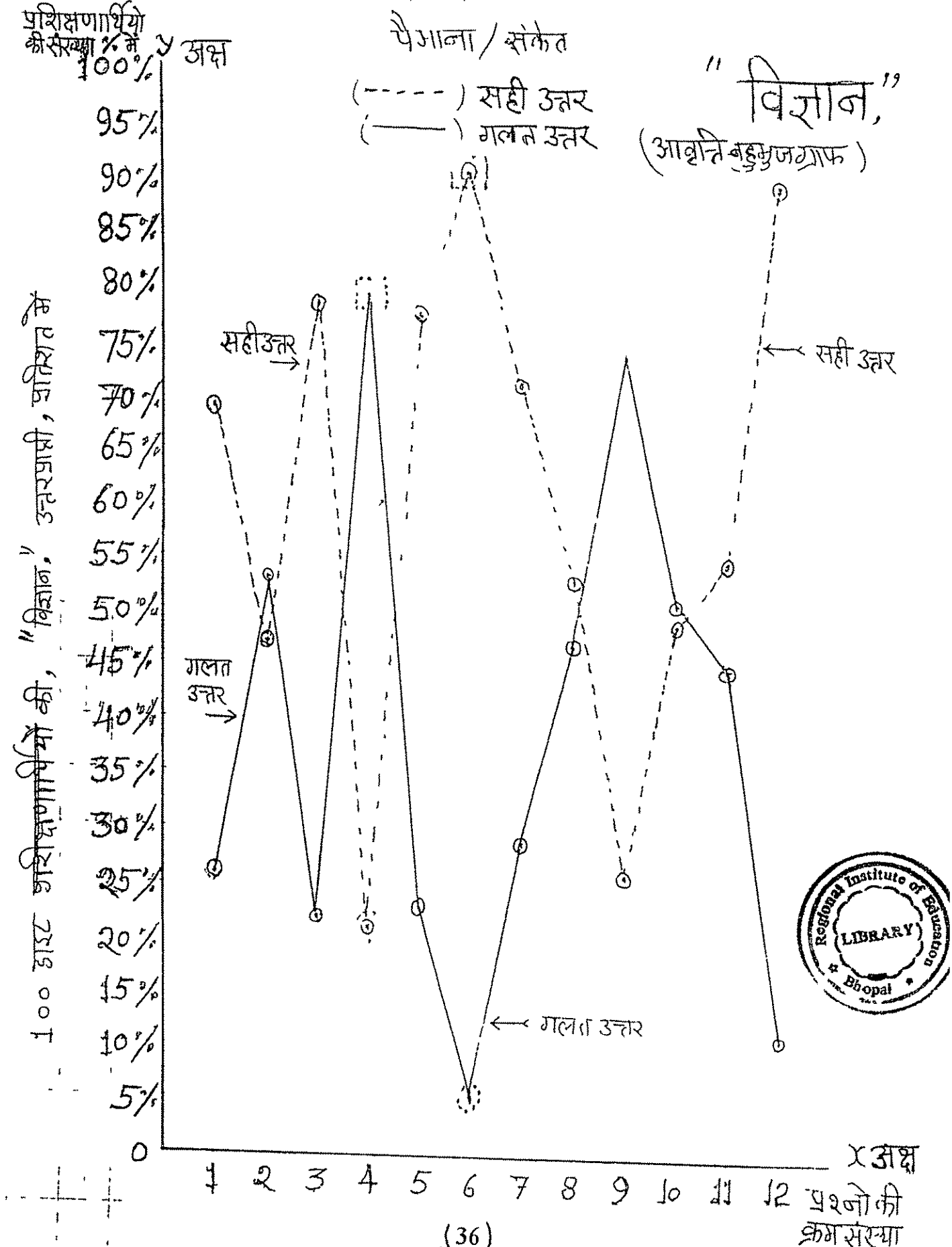

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

डाइट प्रशिक्षणार्थीयों का विज्ञान में उत्तर प्राप्ती प्रतिशत में

ग्राफ क्रमांक – 10

प्रशिक्षणार्थियों की संख्या % में, 'विज्ञान' में सही उत्तरों का प्रतिशत

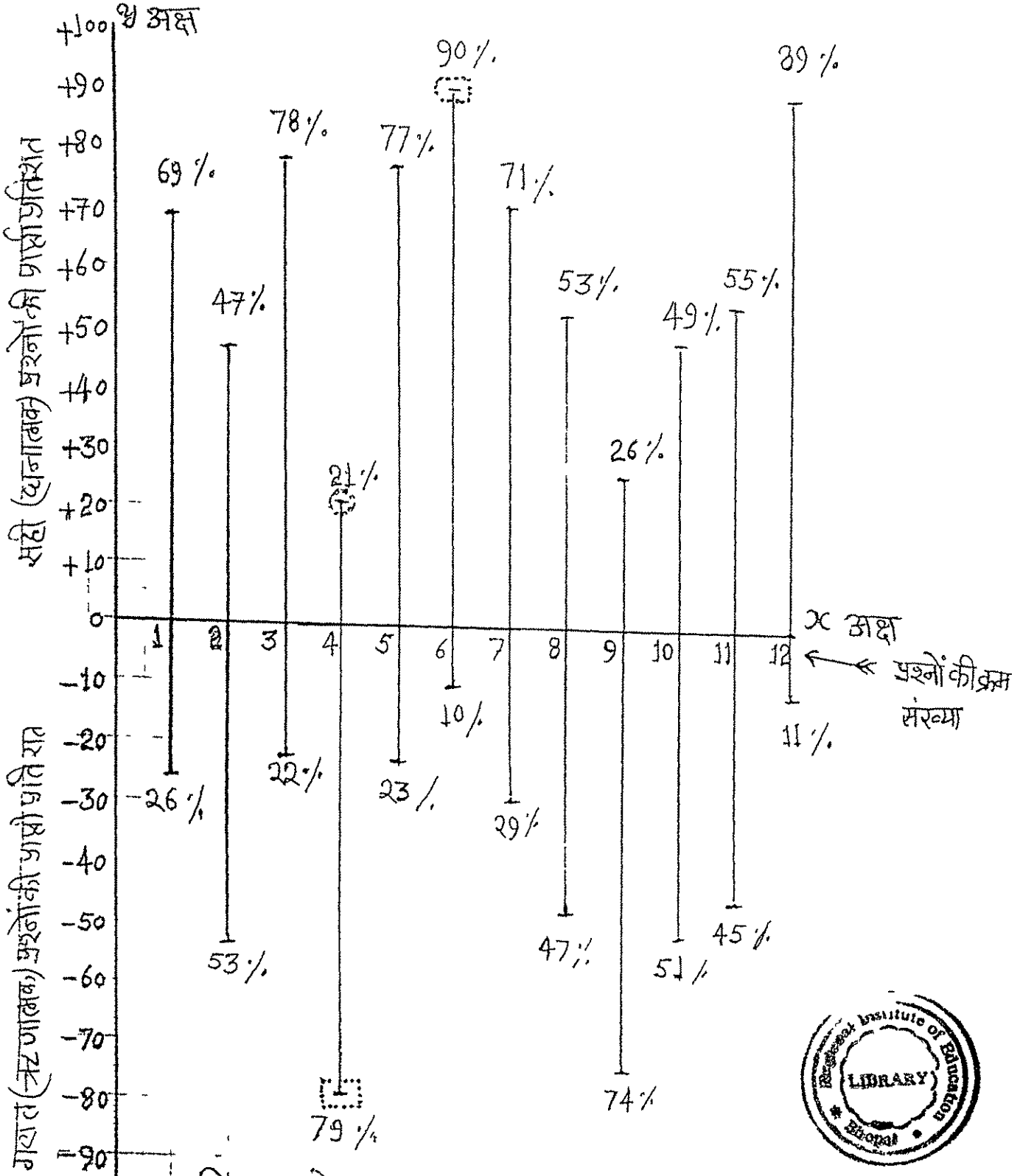

विज्ञान में, गलत उत्तरों का प्रतिशत (ऋणात्मक) प्राप्ती

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

प्रश्नवार (सही +, और गलत –

तालिका 6

सारिणी के अवलोकन से यह निष्कर्ष निकलता है कि सामाजिक विज्ञान मे 14 प्रश्नो मे से केवल दो प्रश्न (गगा की पॉच सहायक नदियो के नाम और कार्यपालिका का प्रतिनिधित्व कौन करता है) के साथ कुल 64% सही उत्तर प्राप्त हुए । बाकी 36% गलत उत्तर प्राप्त हुए ।

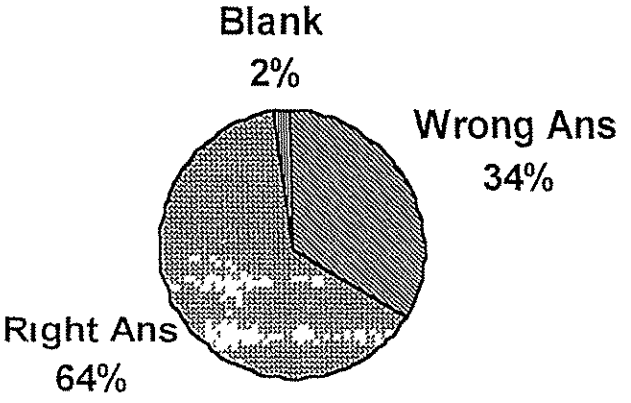

सामाजिक विज्ञान (वृत्त आरेख) दक्षताऐ

तालिका 7

सारिणी के अवलोकन से यह निष्कर्ष निकलता है कि विज्ञान मे 12 प्रश्नो मे से केवल चार प्रश्न

प्रश्न 1 चन्द्रग्रहण पडना प्रश्न 2 नमक का बनना

प्रश्न 3 स्वस्थ्य मनुष्य का ताप प्रश्न 4 पाचक रस बनना

के 60% सही उत्तर प्राप्त होने के अलावा अन्य सभी प्रश्नो की दक्षता आवश्यकताऐ प्राप्त हुई है । 40% गलत उत्तर प्राप्त हुए है ।

विज्ञान (वृत्त आरेख) दक्षताऐ

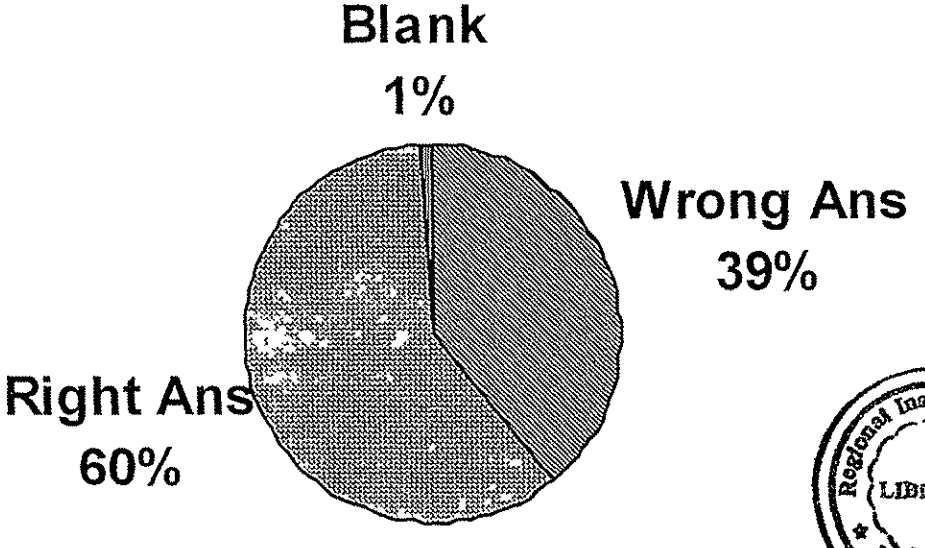

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

तालिका क्रमांक 8 विषयगत आवश्यकताओं का परिणाम

प्रपत्र विवरण पॉच विषय (दक्षता आवश्यकताये 2 डाइट के कुल 100 प्रशिक्षणार्थियो के 500 प्रपत्र)	परिणाम विश्लेषण		50 प्रतिशत से अधिक सही उत्तरो का प्रश्न क्रमाक	दक्षता आवश्यकता हेतु प्रश्न क्रमाक	परिणाम (नोट प्रश्न क्रमाक के लिए प्रपत्र देखे)
	कुल सही उत्तर प्राप्त उपलब्धि दक्षताओ का योग का प्रतिशत	प्राप्त गलत उत्तरो से उपलब्धि दक्षता आवश्यकताओ का प्रतिशत			
1 अध्यापक प्रशिक्षण आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति प्रपत्र 1999–2000 प्रथम–व्यावहारिक ज्ञान प्रश्नो की कुल सख्या–16 (वेकल्पिक)	25% प्रश्न उपलब्धि	75% (आवश्यकता है)	1	2 10 11 16	प्रश्न क्रमाक 2 10 11 16 मे 50% से कम उपलब्धि के कारण दक्षता आवश्यकता प्रशिक्षण देने का प्रयास होना चाहिये ।
2 अध्यापक प्रशिक्षण आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति प्रपत्र 1999–2000 द्वितीय–गणित प्रश्नो की कुल सख्या–20 (लघु उत्तरीय)	66% प्रश्न उपलब्धि	34% (आवश्यकता है)	20	10 15 16 17	प्रश्न क्रमाक 10 15 16 17 मे 50% से कम उपलब्धि के कारण दक्षता आवश्यकता प्रशिक्षण दने का प्रयास होना चाहिये
3 अध्यापक प्रशिक्षण आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति प्रपत्र 1999–2000 तृतीय–हिन्दी प्रश्नो की कुल सख्या–8 (1 वेकल्पिक 11 लघु उत्तरीय)	27% प्रश्न उपलब्धि	73% (आवश्यकता है)	3 5 6 7	1 2 4	प्रश्न क्रमाक 1 2 4 मे 50% से कम उपलब्धि के कारण दक्षता आवश्यकता प्रशिक्षण देने का प्रयास होना चाहिये
4 अध्यापक प्रशिक्षण आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति प्रपत्र 1999–2000 चतुर्थ–सामाजिक विज्ञान प्रश्नो की कुल सख्या–14 (3 वैकल्पिक 11 लघु उत्तरीय)	34% प्रश्न उपलब्धि	66% (आवश्यकता है)	4 14	1 2 3 5 6 7 8 9 10 11 12 13	प्रश्न क्रमाक 1 2 3 5 6 7 8 9 10 11 12 13 मे 50% से कम उपलब्धि के कारण दक्षता आवश्यकता प्रशिक्षण देने का प्रयास होना चाहिये ।
5 अध्यापक प्रशिक्षण आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति प्रपत्र 1999–2000 पचम–विज्ञान प्रश्नो की कुल सख्या–12	60% प्रश्न उपलब्धि	40% (आवश्यकता है)	1 3 5 6 2 8 11 12	2 4 9 10	प्रश्न क्रमाक 2 4 9 10 मे 50% से काम उपलब्धिके कारण दक्षता आवश्यकता प्रशिक्षण देने का प्रयास होना चाहिये ।

Regional Institute of Education LIBRARY

4·1 परिणाम
आवश्यकताओं का प्रतिशत

सम्पूर्ण परिणाम (संचयी) तुलनात्मक वृत्तीय आरेख तालिका क्र 9 पॉच प्रपत्रों के योग $100 \times 5 = 500$, प्रपत्रों (दक्षता आवश्यकतओ) का प्रतिशत

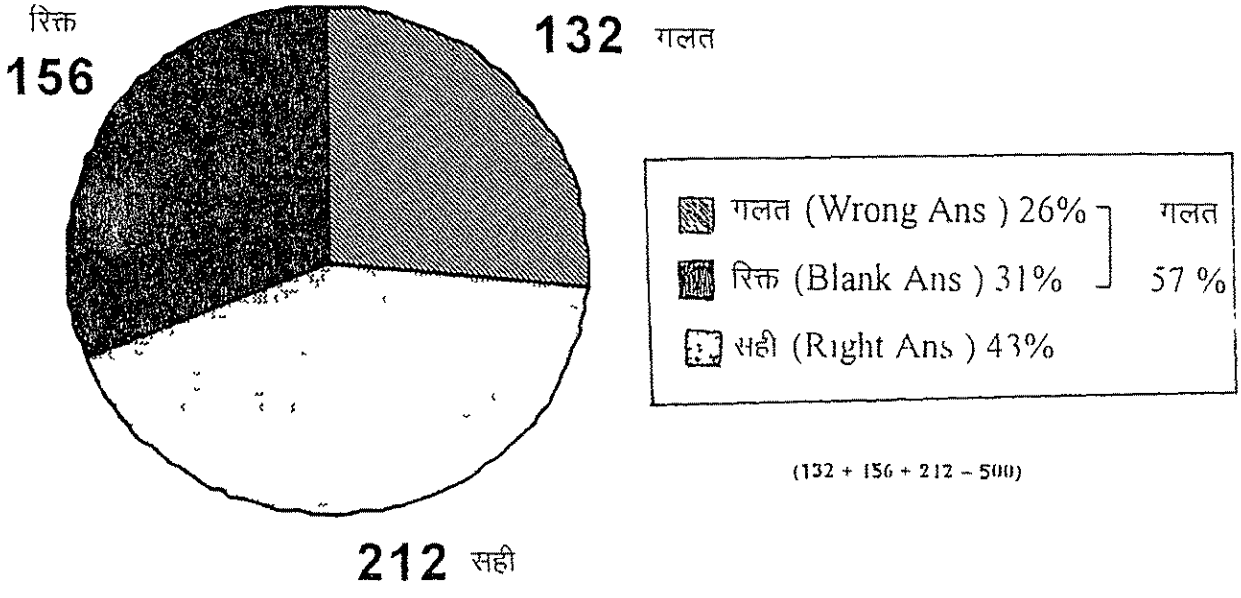

तालिका क्रमांक – 9

क्र	अध्यापक आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति प्रपत्र 1999–2000	100 प्रशिक्षणार्थियो के प्रपत्रो की सख्या की क्रमसख्या	कुल प्रशिक्षणार्थी	प्रत्येक प्रपत्र की सही % योग	प्रत्येक प्रपत्र की गलत % योग
1	प्रपत्र 1 व्यावहारिक विषय ज्ञान	100	100	25%	75%
2	प्रपत्र 2 गणित	100		66%	34%
3	प्रपत्र 3 हिन्दी	100		27%	73%
4	प्रपत्र 4 सामाजिक विज्ञान	100		34%	66%
5	प्रपत्र 5 विज्ञान	100		60%	40%
	योग	500 प्रपत्र		21 2% सही	28 8% गलत

(i) सचयी वृत्तीय आरेख के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि सही उत्तर 212 का प्रतिशत

$$= \frac{212 \times 100}{500} = 42\,4 \text{ प्रतिशत पॉच विषयो स प्राप्त हुआ}$$

(ii) गलत (रिक्त + गलत) उत्तर $= \frac{288 \times 100}{500} = 57\%$ अत 42 4 + 57 6% = 100 सम्पूर्ण परिणाम

Regional Institute of Edu (LIBRARY)

आयत एवं दण्ड आरेख

डाइट के 100 प्रशिक्षार्थियों का तुलनात्मक (संचयी) ग्राफ

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

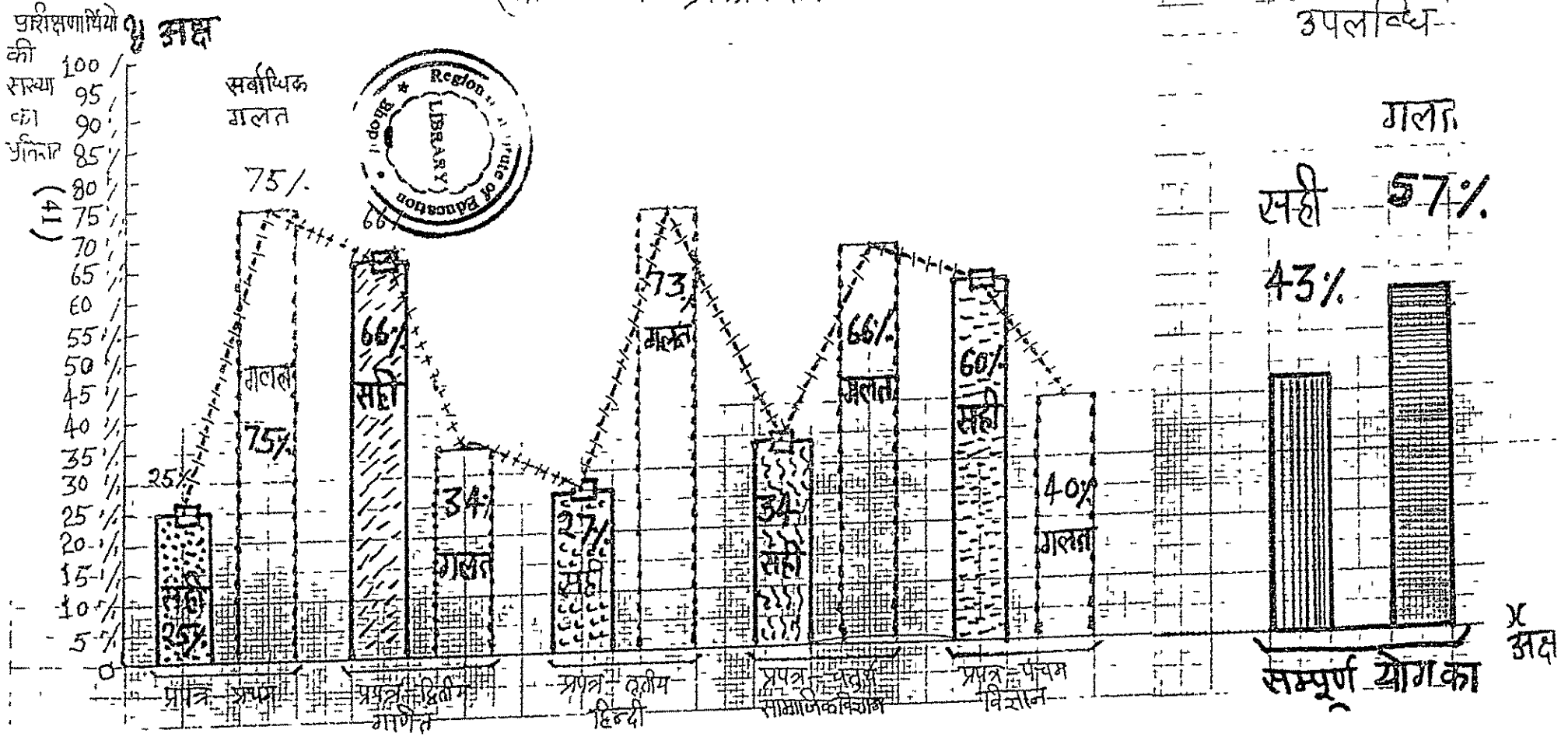

4.2 व्याख्या

प्रपत्र – अध्यापक प्रशिक्षण आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000

1 तालिका के अवलोकन के परिणामो से स्पष्ट होता है कि व्याख्या के लिए इन सभी विषयो प्राथमिक अध्यापक आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति पत्र–प्रथम, मे कुल प्रशिक्षणार्थियो की दक्षता उपलब्धि 25% ही प्राप्त हुई है बाकी 75% व्यावहारिक ज्ञान की इन सभी प्रशिक्षणार्थियो को दक्षता आवश्यकताओ की जरूरत है ।

अत म प्र मे डी पी ई पी के अतर्गत होने वाले शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अतर्गत अध्यापन व्यवसाय को अपनाने के लिए व्यावहारिक विषयो की दक्षताऐ परीक्षण द्वारा 25% का पाया जाना नगण्य स्वरूप है । जो इन प्रशिक्षणार्थियो को प्रशिक्षण लेते समय दी जानी चाहिये ।

इन विषयो मे सामान्य जानकारी के प्रश्न, तत्कालिक व्यावहारिक आवश्यक जानकारी, समुदाय और मानवीय गुणो की आवयकताओ के ज्ञान का अध्ययन आवश्यक है ।

अन्य सभी विषयो के साथ कुल उपलब्धि 42% ही प्राप्त हुई है ।

2 अध्यापक आवश्यकता सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000 द्वितीय, गणित, की 66% दक्षता उपलब्धि प्राप्त हुई है बाकी 34% गणित विषय मे इन प्रशिक्षणार्थियो को दक्षता आवश्यकताओ की जरूरत है ।

3 अध्यापक आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000 तृतीय, हिन्दी, विषय की दक्षता उपलब्धि । 27% प्राप्त हुई है बाकी 73% हिन्दी विषय मे इन प्रशिक्षणार्थियो को दक्षता आवश्यकताओ की जरूरत है । हिन्दी व्याकरण गद्य एव पद्य की विभिन्न विधाओ का अध्ययन कराया जाना चाहिये ।

4 अध्यापक आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000 चतुर्थ, सामाजिक विज्ञान, विषय की दक्षता उपलब्धि 34% ही प्राप्त हुई है बाकी 66% की कमियॉ परीक्षण से प्राप्त हुई हे । इसमे सामाजिकी के विभिन्न विषयो जैसे–समाज नीति, व्यक्तित्व, समुदाय, आर्थिक स्थिति, भौगोलिक स्थिति, पर्यावरण, ऐतिहासिक आदि विषयो का ज्ञान का अध्ययन कराया जाना चाहिये ।

5 अध्यापक आवयश्कता सबधी सप्राप्ति पत्र 1999–2000 पचम, विज्ञान, की दक्षता उपलब्धि 60 प्रतिशत प्राप्त हुई है और 40 प्रतिशत की विज्ञान विषयो जैसे स्वास्थ्य, भौगोलिक मौसम का ज्ञान वनस्पतिक ज्ञान और यात्रिक ज्ञान का अध्ययन कराया जाना जरूरी है ।

इसके अलावा प्रशिक्षणार्थियो को विभिन्न स्त्रोतो जेसे–सीखना, सिखाना वेकल्पिक अध्ययन के विद्यालयीन एव शैक्षिक, बुनियादी अवसरो का ज्ञान होना सिखाया जाना चाहिये तथा शिक्षण कौशलो के प्रशिक्षण जैसे–अभिनय, खेल, गीत, वस्तु प्रत्यक्षीकरण शिक्षण, दृश्य श्रव्य उपकरणो एव ऐतिहासिक पर्यटन दर्शनीय स्थल भ्रमण, तत्कालिक ओर भूतपूर्व स्थिति का ज्ञान टी वी सचार दूरदर्शन तकनीक चिकित्सा औद्योगिक विषयो का ज्ञान आदि के परीक्षण का आकन इन प्रपत्रो के द्वारा विभिन्न विषयो का अध्ययन किया गया ।

अत इन सभी विषयो का परिणाम यह प्रदर्शित करता है कि डाइट प्रशिक्षणार्थियो की विभिन्न विषयो मे विषयगत दक्षता आवश्यकताओ की जरूरत है ।

Regional Institute of Education LIBRARY

व्याख्या : तालिका क्रमांक 8 के परिणाम से निष्कर्ष द्वारा निम्न प्रश्नों की दक्षताओं हेतु प्रशिक्षण आवश्यकतायें हैं–

प्रपत्र–1 अध्यापक प्रशिक्षण, आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000

तालिका क्रमाक 8 एव के परिणाम से निष्कर्ष निकलता है कि प्रपत्र एक मे डाइट प्रशिक्षणार्थियो को निम्नलिखित अवधारणाओ वाले प्रश्नो की दक्षताओ की प्रशिक्षण आवश्यकताये है जो इन्हे दी जानी चाहिये

प्रश्न क्रमाक 2 – बच्चो मे गुणा से भाग की समझ पैदा करना ?

प्रश्न क्रमाक 10 – निदानात्मक परीक्षण का उपयोग कैसे किया जाता है ?

प्रश्न क्रमाक 11 – सतत एव व्यापक मूल्याकन, परीक्षण पत्रो/विधियो का विकास रिकार्ड रखना और निदानात्मक परीक्षण एव उपचारात्मक शिक्षण मे प्रशिक्षण की आवश्यकता हे ।

आदि उपरोक्त प्रश्नो की दक्षताओ की आवश्यकताओ के बारे मे इन प्रशिक्षणार्थियो की अवधारणाये शून्य प्राप्त होने से ज्ञात होता है कि इनको इनका ज्ञान कराया जाना चाहिये ।

प्रश्न–2 अध्यापक प्रशिक्षण आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000

गणित

तालिका क्रमाक 8 एव के परिणाम से निष्कर्ष निकलता है कि प्रपत्र दो गणित मे डाइट प्रशिक्षणार्थियो को निम्नलिखित अवधारणाओ वाले प्रश्नो की दक्षताओ की प्रशिक्षण आवश्यकताऐ है जो इन्हे प्रशिक्षण दौरान भी दी जानी चाहिये–

प्रश्न क्रमाक 10 – वर्ष 1910 से वर्ष 2000 तक के लीप वर्ष जानना

प्रश्न क्रमाक 15 – 8 और 12 का सार्वगुणनखण्ड का ज्ञान

प्रश्न क्रमाक 16 – 4 मी 8 सेमी 5 किग्रा ओर 3 ग्राम, 16 किलोलीटर और 6 लीटर, लम्बाई, धारिता, भार आदि राशियो को दशमलव मे लिखना

प्रश्न क्रमाक 17 – 7 305 किलोग्राम को ग्राम हेक्टोग्राम ओर किलोग्राम मे लिखना

आदि उपरोक्त प्रश्नो की दक्षताओ की आवश्यकताओ के बारे मे इन प्रशिक्षणार्थियो की अवधारणाये नगण्य है जो कि इनको प्रशिक्षणान्तर्गत ज्ञान कराया जाना चाहिये ।

प्रपत्र 3 अध्यापक प्रशिक्षण आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000

हिन्दी

तालिका क्रमाक 8 एव के परिणाम से निष्कर्ष निकलता है कि प्रपत्र एक मे डाइट प्रशिक्षणार्थियो को निम्नलिखित अवधारणाओ वाले प्रश्नो की दक्षताओ की प्रशिक्षण आवश्यकताऐ है जो इन्हे प्रशिक्षण दौरान भी दी जानी चाहिये–

Regional Institute of Ed

प्रश्न क्रमाक 1 – दोष रहित वाक्यो की पहचान (अर्थात् हिन्दी व्याकरण)

प्रश्न क्रमाक 2 – भिन्न प्रकृति वाले शब्दो को पहचान कर लिखना

प्रश्न क्रमाक 4 – कविता पढाते समय किन–किन बातो को पूर्व मे बताया जाना चाहिये ।

आदि उपरोक्त प्रश्नो की दक्षताओ की आवश्यकताओ के बारे मे इन प्रशिक्षणार्थियो की अवधारणाये नगण्य है जो कि इनको प्रशिक्षणान्तर्गत ज्ञान कराया जाना चाहिये ।

प्रपत्र 4 अध्यापक प्रशिक्षण आवश्यकता सबधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000

सामाजिक विज्ञान

तालिका क्रमाक 8 एव के परिणाम से निष्कर्ष निकलता है कि प्रपत्र एक मे डाइट प्रशिक्षणार्थियो को निम्नलिखित अवधारणाओ वाले प्रश्नो की दक्षताओ की प्रशिक्षण आवश्यकताऐ है जो इन्हे प्रशिक्षण दौरान भी दी जानी चाहिये–

प्रश्न क्रमाक 1 – द्वीप और महाद्वीप मे अन्तर

प्रश्न क्रमाक 2 – अक्षाश और देशान्तर मे अन्तर

प्रश्न क्रमाक 3 – गगा की पॉच सहायक नदियो के नाम

प्रश्न क्रमाक 5 – सब जगह जलवायु एक–सी क्यो नही रहती, (मौसम आदि का ज्ञान)

प्रश्न क्रमाक 6 – मिट्टी के कटाव को कैसे रोका जा सकता है

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

प्रश्न क्रमाक 7 – राष्ट्रीय प्रतीक से क्या अभिप्राय है

प्रश्न क्रमाक 8 – मरुस्थल मे वनस्पति कटीली और मोटे पत्ते वाली क्यो होती हे

प्रश्न क्रमाक 9 – चाय के बागान पहाडी ढलानो पर क्यो होते है

प्रश्न क्रमाक 10 – खनिज पदार्थ किसे कहते हे

प्रश्न क्रमाक 11 – राष्ट्रीय ध्वज फहराते समय किन–किन बातो का ध्यान रखना चाहिये

प्रश्न क्रमाक 12 – औद्योगिक कारखानो के स्थानो के जोडे बनाना

प्रश्न क्रमाक 13 – भारतीय ससद के विभिन्न अगो के बारे मे लिखना

उपरोक्त सभी प्रश्न दो वाक्यो के उत्तर लिखने हेतु खुले प्रश्न के रूप मे थे जिनका उत्तर ये प्रशिक्षणार्थी नही दे पाये ।

आदि उपरोक्त प्रश्नो की दक्षताओ की आवश्यकताओ के बारे मे इन प्रशिक्षणार्थियो की अवधारणाओ का ज्ञान नगण्य है जो कि इनको प्रशिक्षणान्तर्गत ज्ञान कराया जाना चाहिये ।

विज्ञान

तालिका क्रमाक 8 एव के परिणाम से निष्कर्ष निकलता है कि प्रपत्र एक मे डाइट प्रशिक्षणार्थियो को निम्नलिखित अवधारणाओ वाले प्रश्नो की दक्षताओ की प्रशिक्षण आवश्यकताऐ है जो इन्हे प्रशिक्षण दौरान भी दी जानी चाहिये–

प्रश्न क्रमाक 2 – चन्द्रग्रहण का पडना

प्रश्न क्रमाक 4 – स्वस्थ्य मनुष्य का तापक्रम

प्रश्न क्रमाक 9 – नमक के विलयन से नमक प्राप्त करने की विधि का ज्ञान

प्रश्न क्रमाक 10 – पाचक रस का बनना

उपरोक्त सभी प्रश्न वैकल्पिक थे जिनका उत्तर डाइट प्रशिक्षणार्थियो ने नही दिया ।

अत उक्त प्रश्नो की दक्षताओ की आवश्यकताओ के बारे मे इन प्रशिक्षणार्थियो को इन अवधारणाओ का ज्ञान प्रशिक्षान्तर्गत कराया जाना चाहिये ।

4.3 प्रशिक्षणार्थियों के विचार

प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षणार्थी सेवापूर्ण प्रशिक्षण की अपेक्षा सेवाकालीन प्रशिक्षण के दौरान कुछ अधिक सीखते है । प्रशिक्षण मे पाठ्यक्रम नीरस लगता है प्रशिक्षणार्थी विषय विशेषज्ञता की दक्षताओ के लिए व्यर्थ समय नष्ट करना उचित नही समझते हे ।

विषयो की प्रश्नावली परीक्षण, को उबाऊ और नीरस समझकर असतोषजनक परिणाम प्रेषित किया ।

ग्रामीण परिवेश से आये प्रशिक्षणार्थियो को अपने आत्म मूल्याकन का इन विषय दक्षता आवश्यकता प्रश्नोत्तर परीक्षण द्वारा आभास हुआ कि विषयो का पुनरावर्तन, मनन करते रहना जरूरी है । इनको बनाये रखना भी प्रशिक्षण दौरान अति आवश्यक है ।

4.4 प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षण की समस्यायें

के जी सैयेदेन के अनुसार – 'प्राथमिक शिक्षा एक विशिष्ट सामाजिक और सास्कृतिक क्रिया है । अदूरदर्शिता के कारण छोटी–छोटी बातो और प्राविधिक आवश्यकताओ पर ध्यान केन्द्रित रखने के कारण समाज के साथ स्कूल का सबध और उसकी जीती जागती समस्याये एव मसले दृष्टि से ओझल हो गये है वे इस बात की कल्पना नही कर पाते ।

के जी सैयेदेन के अनुसार – 'सिद्धान्तो का व्यावहारिक ज्ञान ओर स्कूलो की कक्षा मे व्यवहार एक–दूसरे को समृद्ध बनाने और एक–दूसरे मे घुलमिल जाने के बजाय दो बिल्कुल अलग–अलग चीजे बनी रहती है ।"

अर्थात् प्रशिक्षण विद्यालयो मे विषय विशेषज्ञो के तालमेल का अभाव है ।

1 वातावरण के अनुसार परिवर्तनीय उचित पाठयक्रम का अभाव है ।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

2 प्रशिक्षण विद्यालयो मे स्वतत्र ओर ज्ञानवर्धक वातावरण का अभाव है, दम घोटने वाले वातावरण मे भय से दबे रहने वाले छात्र चापलूसी करते देखे जाते है ।

3 प्रशिक्षण विद्यालयो मे प्रवेश की समस्या, उचित तथा योग्य व्यक्तियो को चुनने की प्रक्रिया का ठीक न होना है ।

4 अध्यापक–प्रशिक्षण मे आज भी अमनोवैज्ञानिक शिक्षण सामग्री का उपयोग करके प्रशिक्षण दक्षताओ एव आवश्यकताओ के साथ लापरवाही बरती जाती है, विचार–विमर्श के अवसर भी नही मिल पाते है, छात्रावासो की व्यवस्था उचित नही हो पाती है । सहयोग व सम्पर्क का अभाव रहता है ।

5 एस एन मुखर्जी के अनुसार – "अध्यापकीय प्रशिक्षण मे विषय दक्षताओ का स्तर ऊँचा उठाने के लिए, अध्यापक शिक्षा, कार्यक्रम का सगठन, प्रशासन, वित्त, शिक्षण सस्थाएँ, प्रवेश का चुनाव, पूर्वसेवा (Pre-service)" शिक्षा, अभ्यासात्मक प्रशिक्षण, सेवाकालीन शिक्षण, अनुसधान तथा प्रकाशन तथा समवाय के अभाव मे दृष्टिगत रखना चाहिये ।

6 जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अतर्गत प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षण गुणवत्ता एव दक्षता आधारित सुनिश्चित नही हो पाता है और न ही विषय पुनरावर्तन का कोई अवसर दिया जाता है । केवल प्रशिक्षण पूर्णता पर ध्यान रखा जाता है ।

7 प्रशिक्षण का उद्देश्य सिर्फ नौकरी की प्राप्ति ही रहती है । विषय दक्षता आवश्यकता से प्रशिक्षणार्थियो का कोई विशेष सरोकार नही रहता है ।

8 अधिसूचित वर्ग को शिक्षा के अवसरो मे समानता के स्तर विषय दक्षताओ पर ध्यान कम दिया जाता है ।

समस्याओं का निदान

विषय ज्ञान का पुनर्भिनवन (Reorientation of Subject Knowledge)

1 इस शोध कार्य का मुख्य उद्देश्य यह हे कि प्रशिक्ष्ज्ञण के समय प्रशिक्षणार्थियो को शिक्षण विधियो के साथ–साथ, विषय दक्षताओ की आवश्यकताओ का ज्ञान भी दिया जाये ।

2 कोठारी कमीशन के अनुसार – "विषय दक्षता कार्यक्रम सावधानीपूर्वक नियोजित करना चाहिये । जिसमे आधारभूत तथ्यो एव विद्यालय विषयो के सदर्भ मे उनका प्रयोग स्पष्ट करना चाहिये । प्रशिक्षण कार्यक्रम की 20 प्रतिशत समय विषय दक्षता के अध्ययन के लिए दिया जाना चाहिये ।"

3 यह अभिनवन कार्यक्रम विषय से सबधित शिक्षण विधि तथा विशेष तकनीकी से युक्त होना चाहिये।

4 मैट्रिक पास करने के बाद छात्र को यह निश्चय कर लेने का परीक्षण देना चाहिये कि वह अध्यापन कार्य को दक्षतापूर्ण अपनायेगा ।

National Institute of Education (LIBRARY)

5 अध्यापन कार्य हेतु विभिन्न विषयो की दक्षताओ के अध्ययन का एव नित नये विषयो की जानकारी रखने की प्रवृत्ति वाले प्रशिक्षणार्थियो को अध्यापन रुचि को अपनाने के लिए विभिन्न विषयो का अध्ययन करते रहना जरूरी है ।

6 प्रशिक्षणार्थियो मे सम्पर्क, अनुभव, अध्ययन एव चर्चाओ के माध्यम से परिपक्वता की प्रेरणा विकसित करते रहना चाहिये । इसके लिए स्वतत्र अध्ययन एव विभिन्न विषयो के अध्ययन अध्यापन करने वालो की आवश्यकता हे । प्रशिक्षण सस्थानो को इस अभाव को दूर करते रहना चाहिये । पुस्तकालय मे वैयक्तिक कार्य, प्रतिवेदन, समीक्षा, परिचर्चा, कॉन्फ्रेस गणित, हिन्दी सामान्य ज्ञान एव विज्ञान आदि का हरेक समय चर्चा करते रहना, प्रशिक्षण सस्थान के अभिन्न अग होने चाहिये ।

7 प्रशिक्षणार्थियो को विद्यालय ओर समुदाय एव राज्य की परिस्थितियो से पूर्णत अवगत होते रहना चाहिये, शिक्षण की आवश्यकताओ की वास्तविक परिस्थितियो से उसका परिचय रहना चाहिये ।

8 प्राथमिक स्तर पर सामान्य व व्यावहारिक शिक्षा को प्रशिक्षण के साथ लेकर चलना चाहिये । उन्हे ऐसा पाठ्यक्रम चाहिये जो जीवन के साथ उचित दृष्टिकोण (सास्कृतिक एव सामाजिक) विकसित कर राके ।

9 शिक्षणाभ्यास की आधुनिक समाज की आवश्यकतानुसार समस्याओ के निदान मे आधारभूत तथ्यो पर अध्ययन विचार करते रहना चाहिये ।

10 प्रशिक्षण सस्थानो के प्रशिक्षणार्थियो की आर्थिक और मनोवैज्ञानिक परिस्थितियो पर भी ध्यान देते रहना चाहिये, ताकि प्रशिक्षणार्थी को समयानुकूल मार्गदर्शन देने मे सहायता मिलती रहे और वह अपने कार्य को विषय दक्षताओ से जोडकर चलता रहे ।

11 समयानुकूल असमायोजन को समायोजन करते रहने हेतु प्रशिक्षण सस्थान को प्रेरणा व सहयोग देते रहना चाहिये ।

12 प्रशिक्षणार्थियो का मुख्य उद्देश्य कार्य की गारण्टी के साथ ज्ञान कौशल को लेकर चलना होना चाहिये जिससे आने वाली पीढी को श्रेष्ठ शिक्षक और शिक्षा का सर्वसुलभीकरण की पूर्ति की जा सके ।

4.6 सुझाव

1 अध्यापक को ज्ञान का अक्षय भण्डार एव स्त्रोत माना जाता है । प्रशिक्षण बाद इस ज्ञान को बनाये रखने हेतु, अध्यापक को सदैव विद्यार्थी बने रहना चाहिये ।

2 विषयो की पुनरावृत्ति, तत्कालिक स्मृति मे बनाये रखने हेतु न्यूनतम अधिगम स्तर से ऊपर बनाये रखने मे प्रशिक्षण का आवश्यक अग होना चाहिये ।

3 प्रशिक्षणार्थियो के अध्यापन कार्य को सदैव ज्ञान प्रसारित करते रहना चाहिये ताकि आवश्यक

Regional Institute of Education LIBRARY

दक्षताओ के द्वारा ज्ञान की पुनरावृत्ति होती रहे ।

4 नये प्रशिक्षणार्थियो के चुनने के तरीको मे परिवर्तन करते रहना चाहिये । ये परिवर्तन ऐसे हो जिनसे अध्यापक बनने की इच्छा रखने वालो के मानसिक एव नैतिक गुणो के बारे मे अधिक जानकारी प्राप्त की जा सके ।

5 अध्यापक को ऐसा ज्ञान या प्रशिक्षण न दिया जाये जिसका उनका भावी व्यवसाय से कोई सबध न हो, फुटकर ज्ञान के बजाय, विषय से सबधित व्यवसाय की आवश्यकताओ को ध्यान मे रखा जावे।

6 कोठारी आयोग के अनुसार अध्यापक प्रशिक्षण मे शिक्षा को पहली, प्री–प्राइमरी प्राइमरी सैकेण्डरी स्तर पर सुपरवाइजिग स्टाफ का स्थानान्तरण एक–दूसरे विद्यालयो मे विषय विशेषज्ञताओ के लिए होते रहना चाहिये ।

डॉ सम्पूर्णानद के अनुसार – "राष्ट्र को अध्यापको की भावनाओ एव कठिनाइयो का अनुभव होना चाहिये। अध्यापको से यह आशा की जाती है कि वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र मे योग्य एव चरित्रवान नेता प्रदान करे ।"

डॉ राधाकृष्णन के अनुसार – "अध्यापक का समाज मे अत्यन्त महत्त्वपूर्ण स्थान है । यह पीढी दर पीढी बौद्धिक परम्पराओ का हस्तान्तरण करता है । वह केवल व्यक्ति को ही रास्ता नही दिखाता अपितु सारे राष्ट्र को दिशा बोध देता है ।

इससे अधिक कुछ नही है कि अध्यापको के लिए विषयगत दक्षताओ की आवश्यकताओ को बढाया जाय एव सतोषजनक दशाओ का निर्माण किया जाये ।